Language – I

HINDI

निर्देश : निम्नलिखित पद्य की पंक्तियों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए : (प्र. सं. **1** से **7**)

उषा सुनहले तीर बरसाती
जयलक्ष्मी सी उदित हुई,
उधर पराजित काल रात्रि भी
जल में अंतर्निहित हुई ।
वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति का
आज लगा हँसने फिर से,
वर्षा बीती, हुआ सृष्टि में
शरद् विकास नये सिर से ।

नव कोमल आलोक बिखरता
हिम संसृति पर भर अनुराग,
सित सरोज पर क्रीड़ा करता
जैसे मधुमय पिंग पराग ।

1. कविता की प्रथम दो पंक्तियों में किसका वर्णन किया गया है ?
(1) जयलक्ष्मी का (2) प्रकृति का
(3) सूर्योदय का (4) प्रलय का

2. वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति की पंक्ति में "त्रस्त" का अर्थ है
(1) व्यस्त (2) भयभीत
(3) थका हुआ (4) कोई नहीं

3. काल रात्रि जल में अंतर्निहित होने का तात्पर्य है
(1) प्रलय समाप्त होना । (2) जल में अंधकार डूबना ।
(3) सुप्रभात होना । (4) कोई नहीं

4. 'सित सरोज पर क्रीड़ा करता जैसे मधुमय पिंग पराग' पंक्ति में अलंकार है
(1) रूपक (2) संदेह
(3) उत्प्रेक्षा (4) उपमा

5. हिम संसृति 'पर' भर अनुराग-रेखांकित शब्द व्याकरण की दृष्टि से इस कारक में आता है :
(1) संबंध कारक (2) संप्रदान कारक
(3) अधिकरण कारक (4) अपादान कारक

6. 'आलोक' शब्द का समानार्थक है
(1) अनुराग (2) अंधकार
(3) प्रकाश (4) परलोक

7. "उषा सुनहले तीर बरसाती" – इस पंक्ति का तात्पर्य है
(1) संध्या काल में सूर्य की सुनहरी किरणें (2) वर्षा की बूँदें
(3) प्रात:काल की सूर्य की किरणें (4) सूर्य की लाली

www.kpscvaani.com

निर्देश : सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए : (प्र. सं. **8** से **22**)

8. मातृभाषा को सीखने में बच्चे को अधिक अवसर मिलता है
(1) समाज
(2) परिवार
(3) विद्यालय
(4) सहपाठी

9. कक्षा के कुछ विद्यार्थी भाषा सीखने की बुनियादी शिक्षा में भी पीछे हैं । इन्हें आवश्यकता है
(1) उपचारात्मक शिक्षण की
(2) विशेष कक्षा की
(3) स्वाध्याय की
(4) गृहकार्य की

10. 'आई' प्रत्यय इसका उदाहरण है :
(1) तद्धित
(2) कृत
(3) तत्सम
(4) तद्भव

11. हिंदी भाषा अपनी इस बोली का साहित्यिक रूप है :
(1) अवधी
(2) खड़ी बोली
(3) संस्कृत
(4) ब्रज

12. प्रभावी एवं सफल शिक्षण के लिए सर्वाधिक आवश्यक है
(1) छात्रों को अधिकाधिक नोट्स लिखवाना ।
(2) व्यावहारिक उदाहरणों द्वारा विषय को स्पष्ट करना ।
(3) श्यामपट्ट का अधिकाधिक उपयोग करना ।
(4) साहित्यिक भाषा का अधिकाधिक उपयोग ।

13. व्याकरण शिक्षा का सामान्य उद्देश्य यह है
(1) व्याकरण के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा जाग्रत करना ।
(2) काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
(3) गद्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
(4) नाटक के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

14. 'फूले न समाना' – इस मुहावरे का अर्थ यह होगा :
(1) फूल तोडना ।
(2) अधिक प्रसन्न होना ।
(3) फूल जाना ।
(4) संकट में पड़ना ।

www.kpscvaani.com

15. सभी छात्र गृहकार्य करने में रुचि ले सकें तो गृहकार्य ऐसा हो :
(1) एक ही स्तर का हो ।
(2) छात्रों की योग्यता के अनुसार हो ।
(3) केवल पुस्तक के भीतर से हो ।
(4) पुस्तक के बाहर से हो ।

16. भाषा का उद्देश्य यह है :
(1) संप्रेषण या विचारों का आदान-प्रदान
(2) लेखन कला में निपुण होना
(3) भाषणकार बनना
(4) कहानी लिखना

17. भाषा यह है :
(1) एक सामाजिक व्यापार है ।
(2) ऐतिहासिक स्थिति है ।
(3) आध्यात्मिक रूप है ।
(4) लिपि संकेत है ।

18. 'पढ़ना' और 'लिखना' इस प्रकार का कौशल है :
(1) ग्रह्यात्मक
(2) अभिव्यक्तात्मक
(3) ज्ञानात्मक
(4) रसग्रहण

19. इनमें से यह शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री नहीं है :
(1) पाठ्य पुस्तक (2) शैक्षणिक यात्रा
(3) पुस्तकालय (4) भाषण

20. बालक सर्वप्रथम इस कौशल में दक्षता प्राप्त करता है :
(1) श्रवण (2) वाचन
(3) पढ़ना (4) लेखन

21. रचनात्मक और संकलनात्मक इसकी प्रक्रिया है :
(1) मूल्यांकन (2) शैक्षिक
(3) बाल विकास (4) शिक्षक विकास

22. व्याकरण शिक्षा द्वारा संभव है
(1) नवीन शब्दों के निर्माण में कुशलता
(2) भाषण कला का विकास
(3) साहित्य लेखन
(4) कविता लेखन

www.kpscvaani.com

निर्देश : निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सबसे उचित विकल्प चुनिए : (प्र. सं. **23** से **30** तक)

गंगा संसार की पवित्र नदियों में से एक है । गंगा के बिना तो भारत की कल्पना भी अधूरी है । भारतवासी गंगा के बिना अपना अस्तित्व ही खो बैठेंगे । वे सबकी उपेक्षा सह सकते हैं परंतु गंगा से अपना नाता नहीं तोड़ सकते । गंगा हमारी प्रवहमान संस्कृति का एक प्रमुख प्रतीक है । गंगा अनंत काल से अनेक धार्मिक, सांस्कृतिक परंपराओं को आँचल में समेटे स्नेहमयी माँ की भाँति भारतीयों के जीवन को पालित-पोषित करती रही है । गंगा भारत माँ का शरीर है, ममता की अविरल धारा है जो निरंतर प्रवाहित हो रही है । अनेक लेखकों व कवियों ने भी गंगा का अपने लेखों में गुणगान किया है । शहनाई वादक बिस्मिल्ला खाँ भी अंतिम समय तक गंगा मैया से सच्चे सुर की कामना करते रहे थे । गंगा का द्वार सबके लिए सर्वदा खुला है । अंतिम समय में भी यह शरीर रूपी राख को पूरे यत्न से स्वीकार कर अपने चरणों में हमें स्थान देती है; यही हमारा सौभाग्य है ।

23. भारतवासी भाग्यशाली हैं क्योंकि
(1) भारत गंगा के किनारे बसा है ।
(2) गंगा पवित्र नदी है ।
(3) अंतिम समय में भारतवासी गंगा में स्थान पाता है ।
(4) वह गंगा में स्नान करता है ।

24. गंगा भारतीयों का पालन-पोषण करती है
(1) स्नेहमयी माँ की तरह
(2) नानी की तरह
(3) सौतेली माँ की तरह
(4) दादी की तरह

25. गंगा अपने आँचल में छुपाए हुए है
(1) पानी को
(2) धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं को
(3) बच्चे को
(4) भारतीयों को

26. 'धारा' शब्द का अन्य वचन यह है :
(1) धारें
(2) धाराओं
(3) धाराएँ
(4) धार

27. बिस्मिल्ला खाँ किस वाद्य से जुड़े हैं ?
(1) शहनाई
(2) सितार
(3) तबला
(4) वीणा

28. "कवि" शब्द का अन्य लिंग है
(1) कवित्री
(2) कवियित्री
(3) कवयित्री
(4) कवियीत्री

29. गंगा इसका प्रतीक है :
(1) शरीर
(2) भारतीयों
(3) ठंडे पानी
(4) प्रवहमान संस्कृति

30. 'सौभाग्य' का विलोम शब्द होगा
(1) दुरभाग्य
(2) दुर्भाग्य
(3) दुभाग
(4) भाग्यवान

www.kpscvaani.com